अनमोल है ध्यान साधना
जैनाचार्य पूज्य श्री शिवमुनि जी महाराज

12 जून, 2012 : विजय इन्द्र नगर, लुधियाना { } युग पुरुष, श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य सम्राट् पूज्य श्री शिवमुनि जी महाराज ने अपने मंगलमय प्रवचन में फरमाया कि– ध्यान साधना टेंशन पीड़ा दुःख राहत की नहीं है यह तो जन्म–मरण के चक्रव्यूह से दूर होने की साधना है। चार गति में अनंतकाल से जीवात्मा भ्रमण कर रही है। यह बोध जिसको हो जाए वह इससे बाहर निकलने का पुरुषार्थ अवश्य करेगा। देह के भीतर है आत्मा, आत्मा के भीतर उसके आठ गुण है और चारों ओर आठ कर्म लगे हुए हैं। आत्मा के गुणों को प्रकट करने के लिए आठ कर्मों को हटाना होगा। आठ कर्मों को हटाने के लिए ध्यान और कायोत्सर्ग एक उत्तम साधन है। जन्म–जन्म से इकट्ठे किए गए संस्कार एक सामायिक–काल के ध्यान में नष्ट हो सकते हैं। हम अपने जीवन में वीतराग–सामायिक, ध्यान साधना, कायोत्सर्ग को महत्व दें।

24 तीर्थंकर भगवंतों ने ध्यान साधना ही की। धन, पद, यश सब यहीं रह जाएगा साथ जाएगी तो केवल हमारे द्वारा की गई साधना। यह साधना आत्मा से परमात्मा बनने की साधना है। आज तक अनंत–भवों में हम कई बार तीर्थंकर परमात्मा के समवसरण में गए होंगे। कई बार उनकी वाणी सुनी होगी परन्तु उनसा बनने का पुरुषार्थ नहीं किया इसलिए भव–भ्रमण में घूम रहे हैं।

आज तक संसार के लिए चिन्ता की अब धर्म के मार्ग पर आगे बढ़ो। हम हमेशा यह सोचते हैं कि मेरे बाद मेरे परिवार का क्या होगा ? मेरी धन सम्पत्ति पद प्रतिष्ठा का क्या होगा। आज तक अनेकों लोग अपनी गति बदल चुके। इस जन्म को पूर्ण कर अगले जन्म में देह धारण कर चुके हैं हम उनसे यह प्रेरणा लें कि वो कुछ साथ नहीं ले जा पाएं। धन, पद, प्रतिष्ठा सब यहीं रह जाएगी साथ जाएगी तुम्हारे द्वारा की गई कर्म–निर्जरा साथ जाएगी तुम्हारी ध्यान साधना। अपने जीवन को ज्ञान के प्रकाश से भर दो। साधना से आलोकित कर दो ये साधना अनमोल है इसकी मूल्यता का ज्ञान तभी होगा जब तुम आत्म ध्यान साधना शिविरों से गुजरोगे।

आज विजय इन्द्र नगर में ध्यान साधना के ऊपर प्रकाश ड़ालते हुए स्थानीय लोगों को साधना भी करवाई गई। सभी ने वीतराग–सामायिक की साधना सीखी और अपने जीवन को साधना मार्ग पर आगे बढ़ाया।

आचार्य श्री जी प्रतिदिन प्रातः 8:15 से 9:30 तक मंगलमय प्रवचन फरमायेंगे। 13 व 14 जून को आत्म नगर में प्रवचन होगें। 14 जून को संक्रान्ति का पाठ आत्म नगर में सुनाया जयेगा यह जानकारी आचार्य शिवमुनि चातुर्मास समिति के चेयरमैन श्री विश्व जैन, वरिष्ट उप चेयरमैन श्री महेन्द्र कुमार जैन, कोषाध्यक्ष श्री राजन जैन व संगठन मंत्री श्री संजीव जैन ने दी। श्रमण संघीय चतुर्थ पट्टधर आचार्य सम्राट पूज्य श्री शिवमुनि जी महाराज के सारगर्भित प्रवचन दिशा चैनल पर प्रतिदिन प्रातः 8:10 से 8:30 बजे तक प्रसारित हो रहे हैं। दिशा चैनल – डिश टी.वी–757, टाटा स्काई –184 एयरटेल–689, वीडियोकॉन–685, पर उपलब्ध है।

Visit us our website

www.jainacharya.org
www.shivacharyaji.org

Email. : shivacharyaji@yahoo.co.in
Join shivmuniji sms to 567678